ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-२२ **टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-शुक्रवार,१७ मार्च,२०१७

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २८.७ एवं ११.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ सुबह में एवं दोपहर में ३७ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.७ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.५ एवं दोपहर में २८.२ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१८-२२ मार्च,२०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १८-२२ मार्च,२०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

१. पश्चिमी एवं पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी एवं समस्तीपुर जिलों में १६-२० मार्च को गरज वाले बादलों के बनने के साथ कहीं-कहीं हल्की वर्षा या बुंदा-बुंदी हो सकती है। १-२ स्थानों पर ओला परने की संभावना है।
२. इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३२ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान १३ से १६ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
३. औसतन ५ से १० कि० मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चलने की संभावना है।
४. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान दैनिक कृषि कार्यो में सावधानी बरतें तथा कटे फसलों को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई का उपयुक्त समय चल रहा है। खेत की जुताई में २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१९, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३० x१० से०मी० रखें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए *गजेन्द्र* किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा ३ किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, २० ग्राम अमोनियम सल्फेट या १० ग्राम युरिया, ३७.५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं १६ ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गरमा मक्का की सुवान, देवकी, गंगा ११, शक्तिमान १ एवं शक्तिमान २ किस्मो की बुआई करें।
- कीट एवं रोग नियंत्रण हेतु गरमा फसलो में कीटनाशक एवं फफूंदनाशक दवाओं का व्यवहार करे।
- पशुपालक भाई हरा चारा के लिए अगाती ज्वार की बुआई करे। इसकी स्वीट ज्वार (मल्टीकट) या कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मेथ या बोरी की फसल जरुर लगावें। मकई की अफ्रीकन टॉल प्रभेद की बुआई करे।
- गाभीन एवं दुध वाली गाय एवं भैसों को कीड़े की दवा और खनिज मिश्रण ५० ग्राम प्रति दिन जरुर दें। बकरीयों में अगर पी०पी०आर० एवं इन्टेरोटॉक्सेमिया का टीका नहीं दिए हो तो जरुर लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः ३०.० डिग्री सेल्सियस	आज का न्यूनतम तापमान :१३.० डिग्री सेल्सियस

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी